वर्ष 16 अंक 329 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, शनिवार 03 दिसम्बर 2022

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक
नगर छाया
आप की आवाज़.....

RNI N.UPHIN/2007/27090

फसल अवशेष प्रबंधन योजना के अंतर्गत हुआ कृषक वैज्ञानिक संवाद

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा आज फसल अवशेष प्रबंधन योजना अंतर्गत कृषक वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि फसल अवशेषों को जलाने की जगह मिट्टी में मिलाने की आवश्यकता है। जिससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। और पर्यावरण प्रदूषण भी घटता है। साथ ही उपाय गुणवत्ता युक्त पैदावार होती है। वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने बताया कि फसल अवशेष जलाने से मिट्टी में उपस्थित लाभकारी सूक्ष्मजीव जलकर खत्म हो जाते हैं। मित्र कीट एवं मित्र फफूंद भी खत्म हो जाते हैं। वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने कृषि यंत्रों की जानकारी दी।उन्होंने फसल अवशेषों के प्रबंधन के लिए डी कंपोजर के प्रयोग से कंपोस्ट बनाने की विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए श्री भगवान एवं गौरव शुक्ला का विशेष योगदान रहा।इस कार्यक्रम में क्षेत्र के एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

हिंदुस्तान 03/12/2022

छात्राओं ने किया एड्स के प्रति जागरूक

कानपुर। चंद्रशेखर कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के गृह विज्ञान संकाय में शुक्रवार को विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सभी छात्रा व शिक्षिकाओं ने रेड रिबन लगाकर जागरूक किया। मुख्य वक्ता डॉ. मुक्ता गर्ग ने कहा कि इस बीमारी का अंत ही लोगों की जागरूकता से जुड़ा है। लोग जागरूक रहेंगे तो यह बीमारी कम हो जाएगी।

(हिन्दी दैनिक)
R.N.I. No. Utthin/2018/76731
(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)
दि ग्राम टुडे
उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित
वर्ष : 04 अंक : 311 देहरादून, शनिवार, 3 दिसम्बर 2022 मूल्य : 1 रुपये पृष्ठ - 8

सीएसए में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एनएसएस की छात्राओं ने की पोस्टर प्रतियोगिता

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

चंद्रशेखर कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के गृह विज्ञान संकाय में आज राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं द्वारा 1 दिसंबर को वर्ल्ड एड्स डे के रूप में काफी वृहद स्तर पर मनाया गया। समाज में एक भयानक समस्या का स्थान ले चुकी एड्स जैसी बीमारियों ने अब तक 60 लाख से अधिक लोग प्रभावित हो चुके हैं। जिसका पहला निदान है जानकारी। इन्हीं जानकारी को लेकर आज के दिन विभिन्न संस्थाओं द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

कार्यक्रम के दौरान सबसे पहले छात्राओं द्वारा सभी शिक्षकों को रेड रिबन लगाया गया तत्पश्चात एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉक्टर मुक्ता गर्ग (अधिष्ठता गृह विज्ञान) द्वारा सभी छात्राओं को इस बीमारी के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया गया। डॉ रश्मि सिंह कार्यक्रम अधिकारी द्वारा भारत में इस रोग से प्रभावित रोगियों की संख्या एवं स्थिति से अवगत कराया गया। इसी अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी इकाई प्रथम डॉक्टर संजीव सचान ने बताया कि एड्स बीमारी के प्रति जागरूकता उसकी पहचान अवश्य होनी चाहिए तभी उसको सही करना संभव है। इस कार्यक्रम के दौरान गृह विज्ञान की सभी शिक्षिकाओं एवं एनएसएस की छात्राओं अंजलि, सौम्या ,अमरजीत ,ऐश्वर्या ,कोमल और अन्य छात्राओं ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया।

विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम, बचाव की जानकारियां दी

कानपुर, 2 दिसम्बर। सीएसए के गृह विज्ञान संकाय में आज राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं की ओर से वर्ल्ड एड्स डे के रूप में काफी वृहद स्तर पर मनाया गया। समाज में एक भयानक समस्या का स्थान ले चुकी एड्स जैसी बीमारियों ने अब तक 60 लाख से अधिक लोग प्रभावित हो चुके हैं। पहला निदान है, फिर जानाकारी के साथ ही आज के दिन विभिन्न संस्थाओं की ओर से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। पोस्टर प्रतियोगिता में छात्राओं ने एडस की भवायता के साथ ही बचाव पर जानकारी को दर्शाया है।कार्यक्रम के दौरान सबसे पहले छात्राओं ने सभी शिक्षकों को रेड रिबन लगाया गया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता डा. मुक्ता गर्ग (अधिष्ठाता ग्रह विज्ञान) द्वारा सभी छात्राओं को इस बीमारी के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया गया। डॉ रश्मि सिंह ने भारत में इस रोग से प्रभावित रोगियों की संख्या एवं स्थिति से अवगत कराया। कार्यक्रम अधिकारी डा. संजीव सचान ने बताया कि एड्स बीमारी के प्रति जागरूकता उसकी पहचान अवश्य होनी चाहिए तभी उसको सही करना संभव है। इस दौरान एनएसएस की छात्राअंजलि, सौम्या ,अमरजीत ,ऐश्वर्या ,कोमल आदि मौजूद रही।

सीएसए के गृह विज्ञान संकाय की ओर आयोजित हुआ कार्यक्रम

सीएसए में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एनएसएस की छात्राओं ने की पोस्टर प्रतियोगिता

डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के गृह विज्ञान संकाय में आज राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं द्वारा 1 दिसंबर को वर्ल्ड एड्स डे के रूप में काफी वृहद स्तर पर मनाया गया। समाज में एक भयानक समस्या का स्थान ले चुकी एड्स जैसी बीमारियों ने अब तक 60 लाख से अधिक लोग प्रभावित हो चुके हैं। जिसका पहला निदान है जानकारी। इन्हीं जानकारी को लेकर आज के दिन विभिन्न संस्थाओं द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। कार्यक्रम के दौरान सबसे पहले छात्राओं द्वारा सभी शिक्षकों को रेड रिबन लगाया गया तत्पश्चात एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉक्टर मुक्ता गर्ग (अधिष्ठाता गृह विज्ञान) द्वारा सभी छात्राओं को इस बीमारी के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया गया। डॉ रश्मि सिंह कार्यक्रम अधिकारी द्वारा भारत में इस रोग से प्रभावित रोगियों की संख्या एवं स्थिति से अवगत कराया गया। इसी अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी इकाई प्रथम डॉक्टर संजीव सचान ने बताया कि एड्स बीमारी के प्रति जागरूकता उसकी पहचान अवश्य होनी चाहिए तभी उसको सही करना संभव है। इस कार्यक्रम के दौरान गृह विज्ञान की सभी शिक्षिकाओं एवं एनएसएस की छात्राओं अंजलि,सौम्या ,अमरजीत ,ऐश्वर्या ,कोमल और अन्य छात्राओं ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया।

WORLD खबर EXPRESS

WORLD
खबर एक्सप्रेस

शुक्रवार 02 दिसंबर 2022 | अंक - 317

www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

www.twitter.com/worldkhabarexpress www.facebook.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress MID DA

विश्व एड्स दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

कानपुर। चंद्रशेखर कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के गृह विज्ञान संकाय में आज राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं द्वारा 1 दिसंबर को वर्ल्ड एड्स डे के रूप में व्यापक वृहद स्तर पर मनाया गया। समाज में एक भयावह समस्या का स्थान ले चुकी एड्स जैसी बीमारियों ने अब तक 60 लाख से अधिक लोग प्रभावित हो चुके हैं। जिसका पहला निदान है जानकारी। इन्हीं जानकारी को लेकर आज के दिन विभिन्न संस्थाओं द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। कार्यक्रम के दौरान सबसे पहले छात्राओं द्वारा सभी शिक्षकों को रेड रिबन लगाया गया तत्पश्चात एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉक्टर मुन्ना लाल (अधिष्ठाता गृह विज्ञान) द्वारा सभी छात्राओं को इस बीमारी के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया गया। डॉ रोहित सिंह कार्यक्रम अधिकारी द्वारा भारत में इस रोग से प्रभावित रोगियों की संख्या एवं स्थिति से अवगत कराया गया। इसी अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी इकाई प्रथम डॉक्टर संजीव सचान ने बताया कि एड्स बीमारी के प्रति जागरूकता उसकी पहचान अवश्य होनी चाहिए तभी उसको सही करना संभव है। इस कार्यक्रम के दौरान गृह विज्ञान की सभी शिक्षिकाओं एवं एनएसएस की छात्राओं अंजलि, सौम्या ,अमरजीत ,ऐश्वर्य ,कोमल और अन्य छात्राओं ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:13 | अंक:283 | देहरादून, शुक्रवार, 02 दिसंबर, 2022 | पृष्ठ:08

सीएसए में विश्व एड्स दिवस पर एनएसएस की छात्राओं ने की पोस्टर प्रतियोगिता

अंकित मिश्रा (जनमत टुडे)

कानपुर: चंद्रशेखर कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के गृह विज्ञान संकाय में आज राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं द्वारा 1 दिसंबर को वर्ल्ड एड्स डे के रूप में काफी वृहद स्तर पर मनाया गया समाज में एक भयानक समस्या का स्थान ले चुकी एड्स जैसी बीमारियों ने अब तक 60 लाख से अधिक लोग प्रभावित हो चुके हैं।जिसका पहला निदान है जानकारी इन्हीं जानकारी को लेकर आज के दिन विभिन्न संस्थाओं द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं कार्यक्रम के दौरान सबसे पहले छात्राओं द्वारा सभी शिक्षकों को रेड रिबन लगाया गया तत्पश्चात एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉक्टर मुक्ता गर्ग (अधिष्ठाता गृह विज्ञान) द्वारा सभी छात्राओं को इस बीमारी के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया गया। डॉ रश्मि सिंह कार्यक्रम अधिकारी द्वारा भारत में इस रोग से प्रभावित रोगियों की संख्या एवं स्थिति से अवगत कराया गया। इसी अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी इकाई प्रथम डॉक्टर संजीव सचान ने बताया कि एड्स बीमारी के प्रति जागरूकता उसकी पहचान अवश्य होनी चाहिए तभी उसको सही करना संभव है इस कार्यक्रम के दौरान गृह विज्ञान की सभी शिक्षिकाओं एवं एनएसएस की छात्राओं अंजलि, सौम्या, अमरजीत, ऐश्वर्या, कोमल और अन्य छात्राओं ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया।

वर्ष 16 अंक 329 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, शनिवार 03 दिसम्बर 2022

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक
नगर छाया
आप की आवाज़.....

RNI N.UPHIN/2007/27090

एनएसएस की छात्राओं ने की पोस्टर प्रतियोगिता

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के गृह विज्ञान संकाय में आज राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं द्वारा 1 दिसंबर को वर्ल्ड एड्स डे के रूप में काफी वृहद स्तर पर मनाया गया। समाज में एक भयानक समस्या का स्थान ले चुकी एड्स जैसी बीमारियों ने अब तक 60 लाख से अधिक लोग प्रभावित हो चुके हैं। जिसका पहला निदान है जानकारी। इन्हीं जानकारी को लेकर आज के दिन विभिन्न संस्थाओं द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। कार्यक्रम के दौरान सबसे पहले छात्राओं द्वारा सभी शिक्षकों को रेड रिबन लगाया गया तत्पश्चात एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉक्टर मुक्ता गर्ग (अधिष्ठाता ग्रह विज्ञान) द्वारा सभी छात्राओं को इस बीमारी के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया गया। डॉ रश्मि सिंह कार्यक्रम अधिकारी द्वारा भारत में इस रोग से प्रभावित रोगियों की संख्या एवं स्थिति से अवगत कराया गया। इसी अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी इकाई प्रथम डॉक्टर संजीव सचान ने बताया कि एड्स बीमारी के प्रति जागरूकता उसकी पहचान अवश्य होनी चाहिए तभी उसको सही करना संभव है। इस कार्यक्रम के दौरान गृह विज्ञान की सभी शिक्षिकाओं एवं एनएसएस की छात्राओं अंजलि, सौम्या ,अमरजीत ,ऐश्वर्या ,कोमल और अन्य छात्राओं ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया।

दैनिक जागरण कानपुर 03/12/2022

शोधकार्यों के लिए विदेश के पांच संस्थानों से करार करेगा सीएसए

जासं, कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी संस्थान यानी सीएसए शैक्षिक आदान प्रदान व शोधकार्यों को बढ़ाने के लिए विदेश के पांच संस्थानों से करार करेगा। इसके लिए रूपरेखा तैयार कर संबंधित देशों के भारतीय राजदूतों को भेजी गई है। इन संस्थानों में जेनेवा स्थित यूएनओ, बहरीन संस्थान, आइरिस इंस्टीट्यूट आयरलैंड, रायल विश्वविद्यालय भूटान व जार्डन यूनिवर्सिटी शामिल हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक कुछ समय पूर्व राज्यपाल ने उत्तर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों को विश्व स्तर पर शैक्षिक व अनुसंधान प्रणाली के विकास पर कार्य करने के निर्देश दिए थे। इसी के तहत विदेश में स्थित कृषि, प्रौद्योगिकी संस्थानों से शैक्षिक आदान प्रदान व अनुसंधान में पारस्परिक सहयोग को विकसित करने के लिए करार की रूपरेखा तैयार की गई है। संस्थान की ओर से अमेरिका, न्यूजीलैंड, सिंगापुर, जापान, जेनेवा, बहरीन, आयरलैंड, भूटान, जार्डन, आस्ट्रेलिया आदि देशों के भारतीय राजदूतों से पत्राचार करके उन देशों के संस्थानों से करार कराने के लिए कहा गया है। अब तक पांच राजदूतों ने मेल पर ही विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट मांगी है। जल्द ही औपचारिकता पूरी करके करार किया जाएगा। इससे इन संस्थानों के सहयोग के साथ आनलाइन पढ़ाई व अनुसंधान को गति मिलेगी।